मीठी नदी के नीचे टनल तैयार

मेट्रो 3 का काम रफ्तार से जारी

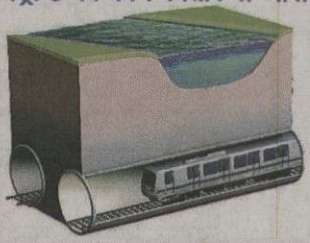

■ वसं, मुंबईः मीठी नदी के नीचे बन रहे मेट्रो टनल का काम पूरा हो गया है। एमएमआरसीएल ने मीठी नदी के नीचे 1.1 किलोमीटर टनल तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो को धारावी से बीकेसी तक पहुंचाने के लिए मीठी नदी के करीब 21 मीटर नीचे टनल बनाई गई है। 2022 से पानी की सतह से करीब 13 मीटर नीचे मेट्रो दौड़ने लगेगी। जून 2019 में पानी के नीचे टनल तैयार करने का काम शुरू किया था। मेट्रो 3 के पूरे मार्ग पर 80 प्रतिशत तक टनल तैयार करने का काम पूरा कर लिया गया है। बीकेसी से धारावी के बीच 1.5 किलोमीटर लंबी टनल तैयार की जा रही है। इसमें से मीठी नदी के नीचे से 1.1 किलोमीटर टनल गुजरेगी। ▸▸ पेज 3

2022 से रफ्तार पकड़ने लगेगी मेट्रो

पानी के 21 मीटर नीचे से गुजरेगी मेट्रो-3

Pankaj.Pandey
@timesgroup.com

Kaushik Naik

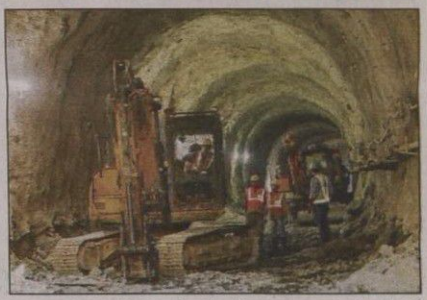

■ मुंबईः मीठी नदी के नीचे बन रहे मेट्रो टनल का काम पूरा हो गया है। मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो को धारावी से बीकेसी तक पहुंचाने के लिए मीठी नदी के करीब 21 मीटर नीचे टनल तैयार किया गया है। 2022 से मेट्रो से यात्रा करने की संभावना है।

एमएमआरसीएल ने जून 2019 में पानी के नीचे टनल तैयार करने का काम शुरू किया था। बीकेसी से धारावी के बीच 1.5 किलोमीटर लंबा टनल तैयार किया जा रहा है। इसमें से मीठी नदी के नीचे 1.1 किलोमीटर का टनल तैयार हो गया है। एमएमआरसीएल अधिकारी के अनुसार, 1.1 किमी के मार्ग में केवल 242 मीटर के हिस्से में ही सालभर पर पानी रहता है, जबकि बचे हुए भाग में केवल हाई टाइड और बारिश के दौरान ही पानी आता है।

धारावी से बीकेसी के बीच 1.5 किलोमीटर की दो टनल का निर्माण हो रहा है। इसमें से एक टनल का काम 1314 मीटर और दूसरे टनल का काम 956 मीटर तक पूरा कर लिया गया है। आपात स्थिति से निपटने और दोनों टनल को जोड़ने के लिए 154 मीटर की एक अलग सुरंग का निर्माण हो रहा है, जिसका काम 16 मीटर तक काम पूरा हो गया है।

कफ परेड में रोजाना 150 धमाके

कफ परेड में जमीन से 22 मीटर नीचे मेट्रो स्टेशन और टनल तैयार करने का काम चल रहा है। इस काम को अंजाम देने के लिए यहां रोजाना करीब 150 धमाके किए जा रहे हैं। पेट्रोलियम जेल के माध्यम से विस्फोट कर चट्टानों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। मेट्रो के एक इंजिनियर के अनुसार, चट्टान में ब्लास्ट करने के लिए 8 से 9 मीटर ड्रिलिंग की जाती हैं, इसके बाद पेट्रोलियम जेल की मदद से धमाका कर टनल का निर्माण किया जाता है, जबकि जमीन की खुदाई के लिए 1 मीटर गहरी ड्रिल करने के बाद जेल से धमाका कर मेट्रो स्टेशन की खुदाई की जाती है।

रोजाना निकलती थी 100 डंपर मिट्टी

पानी के नीचे टनल की खुदाई के दौरान रोजाना 100 से 120 डंपर के बराबर मिट्टी बाहर निकाली जाती थी। चार डिब्बों वाली ट्रेन के माध्यम से रोजाना 1,200 से 1,300 क्यूबिक मीटर मिट्टी टनल से बाहर निकाली जाती थी। एमएमआरसीएल के अनुसार, टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की सहायता से पानी के नीचे एक दिन में केवल 10 मीटर तक ही टनल तैयार होती है। बीकेसी से धारावी के बीच बन रहे 1.5 किलोमीटर लंबे टनल का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अप्रैल 2020 तक इस रूट पर टनल का काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।